

बड़ी बहन की प्यार भरी चुदाई

“मैंने अपनी बहन से अपनी मुहब्बत का इजहार किया, उसके ना मानने पर खुद का एक्सिडेंट कर लिया. बहन की चुदाई स्टोरी पढ़ कर देखें कि मेरी बहन कैसे सेक्स के लिए मानी और हम भाई बहन ने कैसे इन्सेस्ट सेक्स किया. ...”

Story By: Naveen sex boy (viveku)

Posted: मंगलवार, मार्च 20th, 2018

Categories: [भाई बहन](#)

Online version: [बड़ी बहन की प्यार भरी चुदाई](#)

बड़ी बहन की प्यार भरी चुदाई

अब तक आपने मेरी इस लव एंड इन्सेस्ट सेक्स स्टोरी

बड़ी बहन से वासना भरा प्यार

में पढ़ा था कि मैंने किस तरह अपनी बहन से अपनी मुहब्बत का इजहार किया था और उसके न मानने पर खुद का एक्सिडेंट करवा लिया था.

अब आगे..

बिस्तर पर मेरी आँख खुली तो मम्मी मुझसे पूछने लगीं कि बेटा ये सब कैसे हुआ ?

पापा डॉक्टर साहब से बात कर रहे थे. मैंने मम्मी की तरफ देख कर बोला- मम्मी मैं ठीक हूँ.. अभी बात करने का मन नहीं हो रहा, बाद में सब बताऊंगा.

मेरी मम्मी ने भी कहा- ठीक है बेटा तू आराम कर.. मैं जाती हूँ.

जाते जाते उन्होंने कहा- सोनी बेटा, नवीन का ख्याल रखना.

मेरी नज़र अचानक सोनी पर पड़ी, जो मेरे पीछे दीवार से चिपक कर खड़ी थी और बहुत रो रही थी.

मेरी माँ के जाने के बाद वो तुरंत मेरे पास आई और उसने मेरे हाथ को चूमते हुए कहा- नवीन तुमने ऐसा क्यों किया ? ऐसा भी कोई करता है क्या भला ?

मैं- अरे मुझे कुछ नहीं हुआ है.. बस थोड़ी सी चोट ही तो लगी है.. दो चार दिन में ठीक हो जाएगी.

सोनी- नवीन सॉरी मैंने उस टाइम तुम्हारी बात नहीं सुनी. लेकिन तुम्हें ऐसा नहीं करना चाहिए था. मुझे तो एक पल के लिए लगा जैसे मैंने तुम्हें खो दिया हो.. यू आर माय बेस्ट फ्रेंड.

मैं- ठीक है सोनी तुम रोना मत.. मुझे नींद आ रही है, मैं सो रहा हूँ.. तुम भी सो जाओ.

सोनी- ठीक है पर किसी भी चीज़ की ज़रूरत हो तो बुला लेना.

मैं- हां ठीक है बाय गुड नाइट.

मैं सो गया.

जब अगली सुबह मेरी नींद खुली तो सोनी सामने चाय लेकर खड़ी थी. उसे देख कर मैं खुश हो गया और गुड मॉर्निंग बोला. उसने मुझे चाय दी और मेरे बाजू में आकर बैठ गई.

मैंने पूछा- आज तुम्हारा कॉलेज नहीं है क्या ?

तो उसने कहा कि उसने कॉलेज से 4 दिन की छुट्टी ले ली है और वो इन 4 दिनों में मेरी देखभाल करेगी.

मैं तो बहुत खुश हो गया. अब तो वो हमेशा मेरा ख्याल रखने लगी. मैं कोई भी काम बोलूँ तो फटाक से कर देती.

अब मुझे बहुत मज़ा आने लगा था.

इसी तरह एक दिन वो मेरे बाजू में बैठ कर मुझसे बातें कर रही थी और मम्मी किचन में खाना बना रही थीं. उस दिन उसने क्रीम कलर का ड्रेस पहना हुआ था और जस्ट अभी अभी नहा कर आई थी. उसके बाल खुले थे, मैं तो उसकी खुशबू से एकदम पागल सा हो रहा था.

मैं खुद को एक अलग ही दुनिया में महसूस कर रहा था. मैंने धीरे से अपना एक हाथ उसकी गांड पे रखा और धीरे धीरे फिराने लगा.

उसने मेरे हाथ पकड़ लिया और ज़ोर से साइड में करके चली गई.

मैंने भी सोच लिया था कि अब तो जो हो सो हो, पर अब इसे इस तरह से नहीं जाने दूँगा. शाम को जब वो मेरे लिए नाश्ता लेकर आई तो मुझे नाश्ता देकर मेरे सामने बैठ गई.

मैंने उससे कहा- वहां क्यों बैठी हो, मेरे पास आ कर बैठो.

उसने कहा- नहीं मैं नहीं आऊंगी.

मैंने कहा- ठीक है, फिर ले जाओ ये नाश्ता.. मुझे कुछ नहीं खाना. अगर ऐसा ही था तो फिर मर जाने देना था ना मुझे.. फिर क्या करने ले आए इधर घर पर. वैसे भी हर किसी को बस मुझसे ही तो प्रॉब्लम है.

इतना कहने के बाद मैंने नाश्ता साइड में रख दिया और बुक उठा कर पढ़ने लगा.

वो 4-5 मिनट बाद उठी नाश्ते की प्लेट लेकर आई और मेरे बाजू में बैठ कर बोली- अच्छा लो मैं आ गई तुम्हारे बाजू में.. अब तो नाश्ता कर लो.

मैंने कहा- तुम खिलाओ.

उसने मुझे नाश्ता खिलाना शुरू कर दिया. मैंने उससे कहा- यू आर वेरी ब्यूटीफुल.

उसने कोई जवाब नहीं दिया. मैंने फिर कुछ बोला नहीं और धीरे से अपना हाथ उसकी गांड पर रख कर फिराने लगा. उसने एक बार फिर मेरा हाथ पकड़ लिया.

मैंने कहा- अगर इस बार मुझे रोका ना तो पक्का आज अपनी जान दे दूंगा.. फिर अफ़सोस मत करना.

इतना सुनते ही उसने मेरा हाथ छोड़ दिया. मैं फिर से उसकी गांड पे हाथ फिराने लगा और वो मुझे नाश्ता खिलाए जा रही थी. तभी मेरी नज़र उसकी तरफ पड़ी तो मैंने देखा कि उसकी आँखों में आँसू थे.

मैंने पूछा- क्या हुआ ?

तो उसने कहा- कुछ नहीं.

मैंने कहा- बता ना !

उसने कहा- नवीन, मैं तुम्हारी फीलिंग्स को समझती हूँ लेकिन घर में ये सब करना ठीक नहीं है और ऊपर से हम भाई बहन हैं. प्लीज़ समझने की कोशिश करो.

मैंने कहा- देख सोनी, हमारा रिश्ता सिर्फ हमारे बीच में होगा, घर वालों के सामने हम भाई बहन ही रहेंगे.

उसने एक बार मेरी तरफ देखा और चुपचाप उठ कर बाहर चली गई.

इसी तरह से दो तीन निकल गए और मैं 90% ठीक हो गया था. अब मुझे सोनी के साथ कुछ बड़ा करना था और तलाश थी तो बस एक मौके की.

एक दिन रात के लगभग दो बजे मैं पानी पीने किचन में गया. तभी सोनी भी पानी पीने आई. मैं उसे देख कर पागल हो गया और उसे मैंने अपने पास बुलाया. फिर उसे अपने सीने से चिपका के बेतहाशा किस करने लगा. उसके गुलाबी होंठ चूसने लगा. पर वो मेरा साथ नहीं दे रही थी. और वो मुझसे खुद को छुड़ा कर भाग गई.

अगले दिन सुबह नाश्ता के वक़्त मैंने उसकी तरफ देख कर एक स्माइल दी, तो वो थोड़ा शरमा गई. अब मुझे यकीन हो गया था कि लड़की पट चुकी है, बस मौका मिला तो काम बन ही जाएगा.

शाम को कॉलेज से आते टाइम मैंने मैनफ़ोर्से कंडोम का एक 20 पीस वाला पैकेट ले कर रख लिया, क्योंकि मुझे पता था कि अब कभी भी कुछ भी हो सकता है.

घर आकर मैं तो मौके की ही तलाश में था, पर वो किचन से बाहर आ ही नहीं रही थी. मम्मी के साथ काम में लगी हुई थी. बीच में मम्मी एक बार वॉशरूम गई तो मैं मौका देख कर किचन में घुस गया और पीछे से उसे ज़ोर से हग कर लिया, वो डर गई और मुझसे छुड़ा कर दूर हो गई.

वो बोली- ये क्या कर रहे हो कोई देख लेगा.

मैंने कहा- सुन आज मुझे किसी भी हालत में तेरे साथ रोमांस करना है.

उसने कहा- ये पासिबल नहीं है.

मैंने कहा- मैं आज रात को 2 बजे किचन में आऊँगा, तू मुझे वहाँ मिलना.

इतना बोल कर मैं अपने कमरे में चला गया, फिर हमारी कोई बात नहीं हुई. मैं रात के 2 बजने का इन्तजार करने लगा. दो बजने में जब 5 मिनट बाकी थे, तभी मैं किचन में घुस गया. थोड़ी देर में वो आई तो मैंने आते ही उसे पकड़ लिया और बहुत ज़ोर से हग कर लिया.

मैं उसे बेतहाशा किस किए जा रहा था और आज वो भी मेरा साथ दे रही थी. हम एक दूसरे में इतने पागल हो गए थे कि मेरे हाथ से बाजू में रखा एक बर्तन गिर गया, जिससे पापा की नींद खुल गई.

उन्होंने जोर से आवाज लगा कर कहा- कौन है वहाँ ?

मेरी बहन ने जवाब दिया- मैं हूँ पापा, पानी पीने आई थी.

पापा ने कुछ नहीं बोला और वापस सो गए. अब सोनी मुझे धीरे धीरे डाँटने लगी- पागल कहीं के.. इसी लिए कह रही थी घर में सेफ नहीं है.. मरवा दिया ना आज ?

मैंने कहा- यार कुछ तो नहीं हुआ. ठीक है.. कल हम गेस्ट हाउस चलेंगे बस.

उसने कहा- नहीं मुझे गेस्ट हाउस नहीं जाना, वहाँ बहुत रिस्क रहता है. ऊपर से किसी को पता चल गया तो बहुत बदनामी होगी.

इतना कह कर वो अपने रूम में चली गई. मेरी हालत तो उस लोमड़ी की तरह हो गई थी, जिसके सामने अंगूर लटके हुए थे, पर खा नहीं सकता था.

यू ही कुछ दिन निकल गए.

एक दिन गाँव से मेरे मामा मामी और उनके 2 बच्चे आ गए. उनके बच्चे ज़्यादा बड़े नहीं

थे. एक लड़का 8 साल का था, दूसरा 10 साल का. अब तो जो मैं थोड़ा बहुत रोमांस कर पाता था, उसके भी लौड़े लग गए. पर ऊपर वाले को तो कुछ और ही मंजूर था.

उस दिन पूरा दिन मेरे हाथ कुछ नहीं लगा, लेकिन रात में सोने की प्रॉब्लम सामने खड़ी हो गई. बहुत माथा पच्ची करने के बाद ये हल निकाला कि एक रूम में मम्मी, सोनी मैं और मेरा छोटा भाई सो जाएंगे और दूसरे रूम में मामा मामी और उनके दोनों बच्चे सो जाएंगे. पापा अपनी जगह मतलब हॉल में ही सो गए. रात को हम सब सोने लगे तो सबसे पहले मम्मी सोई फिर सोनी, उसके बाजू में मेरा छोटा भाई और सबसे आखिर में मैं सोया. उस दिन मम्मी की तबियत कुछ खराब सी थी तो उन्होंने नींद की गोली खा ली थी और वे बेसुध सो रही थीं.

रात के लगभग 3 बज गए पर मुझे नींद नहीं आ रही थी. मेरे ऊपर सोनी की जवानी को चूसने का भूत सवार हो रहा था. मैंने धीरे से हाथ आगे ले जा कर सोनी को उठाया तो उसने आधी नींद में ही इशारे से पूछा- क्या हुआ ?

मैंने भी इशारे में कहा- इधर आ जा बाजू में.

उसने मम्मी की तरफ हाथ दिखा कर इशारा किया कि रिस्क है.

मैंने कहा- प्लीज़ सिर्फ 10 मिनट के लिए आ जा.

पर वो नहीं मान रही थी तो मैंने उससे कहा- ठीक है तो मैं बीच में आ जाता हूँ.

दोस्तो, ये बातें इशारों में ही हो रही थीं.

मेरे ऐसा बोलने से उसने दो मिनट सोचा और धीरे से उठ के खड़ी हो गई. फिर चुपचाप मेरे पास आकर खड़ी रही. अगले एक मिनट में मैं थोड़ा पीछे हट गया जिससे मेरे और मेरे छोटे भाई के बीच में काफी जगह बन गई. वो उधर धीरे से लेट गई. उसने एकदम पतले कपड़े का सलवार सूट पहन रखा था.

वो लेटी, तो उसका मुँह मम्मी की तरफ था क्योंकि उसे डर लग रहा था. मतलब ये कि उसकी मखमली रसीली गांड मेरी तरफ थी. मैं भी वक़्त की अहमियत को समझते हुए उससे जाकर चिपक गया और पीछे से उसकी पीठ पे किस करने लगा. मैंने लंड सलवार के ऊपर से ही अपनी बहन की उभरी हुई गांड के दरार के बीच दबा रखा था. मुझे बहुत मज़ा आ रहा था. गरम तो वो भी हो गई थी, पर उसे अभी भी थोड़ा डर लग रहा था.

मैंने धीरे से अपने हाथ उसकी पतली कमर पे रखा और धीरे धीरे फिराने लगा. वो एकदम अपनी आवाज़ को दबा कर रखना चाहती थी, पर फिर भी उसके मुँह से धीरे धीरे 'आआअहह.. आआहह... इसस्सस्स इसस्सस्स...' की आवाज़ निकल रही थी.

फिर पीछे से ही मैं अपना हाथ उसके मम्मों पे ले गया. उसके चूचे एकदम कड़क थे. मैं उन्हें आराम आराम से दबाने लगा.

अब उस पल का नशा सोनी के ऊपर चढ़ने लगा. वो एकदम मदहोश हो गई थी और धीरे से मुझे बोल रही थी- बड़े बेशरम हो तुम नवीन.

उसकी ये बातें मुझे और भी ज़्यादा बेशरम बना रही थीं.

अब मैंने धीरे से उठकर रूम के नाइट लैंप को बंद कर दिया और वापस अपनी जगह पर आ गया.

सोनी ने धीरे से कहा- ऐसा क्यों किया ??

तो मैंने कहा- ताकि रूम में कुछ दिखे नहीं.

इसके बाद मैंने सोनी को सीधा लेटाया और उसके ऊपर चढ़ कर उसके गुलाबी और सॉफ्ट होंठों को चूसने लगा. वो मेरा भरपूर साथ दे रही थी.

लगभग 5-10 मिनट उसके होंठों को चूसने के बाद मैं उसके गले पे किस करने लगा. वो धीरे धीरे बेकाबू होती जा रही थी.

बस 'आआअहह.. आआहह.. ऊऊहह.. नवीईईनन..' ऐसी आवाज़ निकालने लगी थी. इधर मैं उसके मम्मों को कपड़ों के ऊपर से ही किस किए जा रहा था. हमारा सफ़र धीरे धीरे अपने मुकाम की तरफ पहुँच रहा था कि तभी मुझे सोनी ने रोक दिया और बोली- बस नवीन, अब इससे ज्यादा नहीं हो सकता.

मैंने कहा- आज मैं पागल हो गया हूँ.. आज तुझे अपना बना कर रहूँगा.

सोनी ने कहा- नवीन इधर मम्मी और भाई दोनों हैं, हम आज सब कुछ नहीं कर सकते.

मैंने कहा- मैं कुछ नहीं जानता सोनी. मैं इस दिन का कब से इंतज़ार रहा हूँ, मुझे तो आज करना ही है.. किसी भी हालत में.

सोनी की भी हालत खराब थी, पर वो उसे छुपाने की कोशिश कर रही थी. फिर उसने थोड़ा सोच कर कहा- ठीक है.. घर के पीछे वाली सीढ़ियों पर चलो, वहां कोई नहीं आएगा.

मैंने कहा- ठीक है.

उसने कहा- तुम चलो पहले.. फिर मैं आती हूँ.

मैं तुरंत ही चुपके से वहां पहुँच गया. तभी मेरी बहन भी धीरे धीरे आई. मैंने उसे देखते ही अपनी बांहों में जकड़ लिया और किस करने लगा.

उसने कहा- नवीन आज हम पहली बार ये सब कर रहे हैं. तुम पहले मर्द हो जो मेरे जिस्म के साथ खेल रहा है. इस लिए आराम से करो.

मैंने उसे पीछे से हग किया और नीचे बैठ कर उसकी गांड पे कपड़े के ऊपर से ही अपना मुँह रगड़ने लगा. फिर बैठे बैठे ही उसे सीधा घुमाया और धीरे धीरे किस करता करता ऊपर की तरफ बढ़ने लगा. उसकी कमर के पास आते ही उसकी नाभि को चूमने लगा. उसमें अपनी जीभ डाल कर फिराने लगा. वो मेरा मुँह पकड़ के ज़ोर से अपने नाभि से चिपका रही थी.

फिर मैंने धीरे से उसका टॉप उतार दिया. उसने काले कलर की ब्रा पहनी हुई थी. उसकी ब्रा में क्रेड चूचे मेरे ऊपर कहर ढा रहे थे.

मैं ब्रा के ऊपर से ही अपनी बहन के मम्मों को किस करने लगा. मेरी बरसों की कामना आज पूरी हो रही थी. उसके जिस्म से जैसे शहद टपक रहा था.. और मैं एक भालू की तरह उस रस का एक एक कतरा पी जाने को आतुर था.

हम दोनों जिस्म के इस खेल में काफ़ी डूब चुके थे. मानो ऐसा लग रहा था कि जैसे इसका कोई अंत ही नहीं है.

मेरी बहन की जवानी इतनी तीखी थी कि पानी में भी आग लगा दे. उसका जलता हुआ जिस्म मुझे धीरे धीरे एक दुनिया से दूसरी दुनिया में ले जा रहा था. उसके मम्मों पे किस करते करते मैंने एक हाथ से उसके सलवार का नाड़ा खोल दिया जिससे उसकी सलवार नीचे गिर गई. फिर मैंने एक हाथ से उसकी ब्रा भी खोल दी. अब उसके चूचे दो आज़ाद सेब की तरह मुझे अपनी तरफ बुला रहा थे. मैंने भी देर ना करते हुए उसे सीढ़ियों पे लेटा दिया और उसके एक चूचे को मुँह में लेकर एक छोटे बच्चे की तरह चूसने लगा.

सोनी जवानी की आग में इस कदर खो गई थी कि स्स्स्शह.. उम्मह... अहह... हय... याह... ऊऊ.. ऊऊओह.. की आवाज़ें निकाल रही थी. उसका संभालना मुश्किल हो गया था और वो मुझे बार बार कह रही थी कि नवीन जो करना है, प्लीज़ जल्दी करो वरना कोई आ जाएगा.

मैं यहां उसके मम्मों के साथ खेल रहा था. धीरे धीरे किस करता हुआ चाटता हुआ मैं नीचे की तरफ बढ़ता जा रहा था. फिर पेंटी के ऊपर से ही उसकी चुत पे किस करने लगा. वहां से एक अजीब सी सुगंध आ रही थी.. जो मुझे इस जवानी के खेल में और भी ज्यादा ताकतवर बना रही थी. उसमें से निकल रही गर्मी तो मानो शरीर में एक करेंट पैदा कर रही थी. मैं तो

भूल चुका था कि ये मेरी बहन है या कोई सेक्स की देवी है. अपनी ही बहन को आज नंगी करके उसका भोग लगाने का मुझे जो अवसर मिला था, मैं उसे गंवाना नहीं चाहता था.

मैंने धीरे से उसकी पेंटी उतार दी और अपनी बहन की चुत को मुँह में भरके बेतहाशा चूसने लगा.

वो एकदम सिहर सी गई.. और उसने अपने पैरों को सिकोड़ कर अपनी चुत पे मेरा सर ज़ोर से दबाने लगी.

मैं भी एक अनंत सुख के सागर में गोते लगा रहा था. फिर मैंने अपनी जीभ से उसकी चुत को चाटना शुरू किया. हल्के हल्के बालों वाली उसकी चुत मुझे पागल बना रही थी. ऐसा लग रहा था कि बस अब ये पल यहीं थम जाए और कभी खत्म ना हो.

इतना सुख का आभास मुझे आज तक कभी नहीं हुआ था. मेरी बहन.. मेरी जान आज मुझे वो सुख से रूबरू करा रही थी.

अब उसके लिए कंट्रोल करना काफ़ी मुश्किल हो गया था और वो काफ़ी तेज तेज साँसें लेने लगी थी. वो लगातार मुझसे कहे जा रही थी- जो करना है जल्दी करो प्लीज़.

मैंने भी वक़्त की नज़ाकत को समझते हुए अपने सारे कपड़े उतार फेंके. मेरा 7 इंच का लंड एक मोटे बम्बू की तरह बस अपनी जगह तलाशने के लिए बेताब था. मेरी बहन ने एक नज़र मेरे लंड को देखा और वापस अपनी आँखें बंद करके लेटी रही. मैंने अपना लंड उसके हाथ में पकड़ाया तो उसने तुरंत ही अपना हाथ ज़ोर से हटा लिया.. मानो उसे कोई करंट सा लग गया हो.

उसने मेरी तरफ खामोशी से देखा और बस देखती रही.

मैंने भी ज़्यादा टाइम बर्बाद ना करते हुए कंडोम का पैकेट निकाला और अपने लंड पे लगा

के तैयार हो गया. फिर धीरे से अपने लंड को उसकी चुत पे रख कर उसके बालों को सहलाने लगा.

वो बेकाबू हो कर बस एक ही चीज़ कहे जा रही थी- नवीईईईन.. प्लीज़ आराम से करना.. प्लीज़ आईसीईईईई..

मैंने भी बड़े प्यार से लंड को बहन की चूत पे रख कर एक आराम से झटका मारा.. पर लंड फिसल गया. मैंने वापस दो तीन बार कोशिश की पर कोई फायदा नहीं हुआ. तब मैं समझ गया कि इस तरह नाजुकता से काम नहीं बनेगा. लेकिन मैं अपनी राजकुमारी को तकलीफ़ भी नहीं देना चाहता था.

मैंने धीरे से उसे कान में बोला- जान इस तरह मंज़िल नहीं मिलेगी.. अपने नवीन के लिए थोड़ा सा दर्द सहोगी ?

उसने बोला कुछ नहीं बस आँखों ही आँखों में देखती रही और मुझे इशारों में ही इजाजत मिल गई.

फिर क्या था.. मैंने उसके पैरों को थोड़ा सा और फैलाया और एक हाथ से लंड को पकड़ कर चुत के छेद पर टिका कर थोड़ा ज़ोर का धक्का मारा.. जिससे मेरा आधा लंड उसकी चुत में घुस गया. उसने ज़ोर से अपने मुँह पे हाथ रख कर खुद का मुँह दबा लिया ताकि आवाज़ बाहर ना जाए. फिर मैंने झट से उसके हाथ हटा के उसके होंठों को अपने होंठों में जकड़ लिया और चूसने लगा.

एक मिनट बाद वो थोड़ी संयत लग रही थी तो थोड़ा सा पीछे हो के मैंने वापस एक झटका मारा. इस बार शायद पूरा लंड उसकी चुत में जा चुका था. उसने बहुत ज़ोर से मुझे पकड़ा और अपने नाखून ज़ोर से मेरी पीठ पे गड़ा दिए. पर मैं इस जवानी के खेल में इतना मस्त हो गया था कि मुझे दर्द का एहसास भी नहीं हुआ.

कुछ देर की किसिंग के बाद मैंने धीरे धीरे स्ट्रोक मारने शुरू किए. अब वो भी मेरा पूरा साथ दे रही थी. उसकी मस्त जवानी को चूसने में मुझे काफ़ी मज़ा मिल रहा था.

वो ज़ोर ज़ोर से सिसकारियां ले रही थी. 'इसस्स... स्स्शहह... इसस्स्स... स्स्शहह... आआहह...' और मेरा भरपूर साथ भी दे रही थी. मैं सब कुछ भूल के बस धक्के पे धक्के दिए जा रहा था.

अब सिर्फ़ 'आआहह.. उऊहह..' और 'पच पच..' की आवाज़ आ रही थी. हम दोनों भाई बहन कामवासना में डूब चुके थे. हमारा एक दूसरे के लिए प्यार आज दिल खोल के बह रहा था. हम भूल चुके थे हमारा रिश्ता क्या है और हम क्या कर रहे हैं. बस दो प्यासों की तरह एक दूसरे की जिस्म की अग्नि को बुझाए जा रहे थे.

इधर हमें ये सब करते लगभग एक घंटा हो चुका था, पर वक़्त की परवाह किसे थी. सारे रिश्ते नाते, वक़्त दुनिया.. सब कभी पीछे छोड़ कर हम दो भाई बहन अपनी मनोकामना पूरी करने में लगे हुए थे.

अब मुझे अनंत सुख का एहसास होने लगा.. और 2-4 काफ़ी तेज धक्कों के बाद ज्वालामुखी का एक ऐसा फव्वारा छूटा जो अपनी अग्नि में सब बहा ले गया. मेरा वीर्य कंडोम में निकल रहा था और इतना ज़्यादा माल आज पहली बार निकला था. मैं निढाल हो कर अपनी बहन के बाजू में गिर गया.

फिर 5-10 मिनट बाद जब हम भाई बहन होश में आए तो टाइम देखा सुबह के 4:15 हो रहे थे. मैं झट से उठा अपना कंडोम निकाल कर बाहर फेंका और फटाफट कपड़े पहन कर तैयार हो गया. सोनी ने भी लेटे लेटे कपड़े पहने. मैं जब रूम की तरफ जाने लगा तो मेरी नज़र सोनी पे पड़ी. उसकी आँखों से बेतहाशा आँसू गिरते जा रहे थे.

मैंने पूछा- क्या हुआ.. दर्द हो रहा है ?

उसने कहा- नहीं, आज मेरे शरीर को शांति मिल गई है.. ये उसी के आँसू हैं.

फिर मुझे उसने प्यार से अपने पास बिठाया और मेरी गोद में सिर रख के लेट गई. फिर मुझे थैंक्यू बोली और कहा कि हमेशा मेरा साथ देगी.

दस मिनट बैठने के बाद मैंने उससे कहा- जल्दी चलो वरना मम्मी उठ गई तो प्रॉब्लम हो जाएगी.

वो उठी और हम जाने लगे, पर वो ठीक से चल नहीं पा रही थी. मैंने उसे सहारा दिया और हम रूम की तरफ जाने लगे. आज हम दोनों भाई बहन की शक्ति पर एक संतुष्टि का भाव था. हम रूम में पहुँचे तो सोनी उसकी जगह पे जा कर सो गई और मैं अपनी.

अगले दिन सुबह जब हम उठे तो एक दूसरे से नज़रें नहीं मिला पा रहे थे. नाश्ते की टेबल पे बैठ के हम साथ साथ नाश्ता कर रहे थे. सभी घर वाले बैठे थे वो मेरे सामने बैठी थी.

तभी ना चाहते हुए भी हमारी नज़र एक हो गई. यूं ही कुछ 20-30 सेकेंड हम एक दूसरे को गम्भीरता से देखते रहे, फिर अचानक ज़ोर ज़ोर से हंसने लगे.

मम्मी ने पूछा- क्या हुआ ?

हमने कहा- कुछ नहीं, कॉलेज की एक बात याद आ गई है.

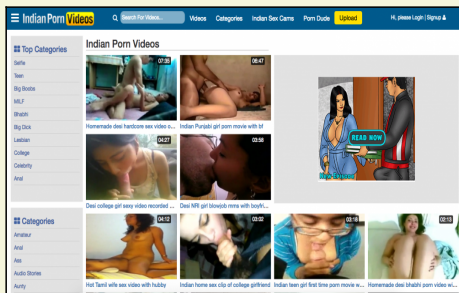
तो दोस्तो, यह थी मेरी आपबीती. उम्मीद करता हूँ आप सभी को काफ़ी पसंद आई होगी. प्लीज़ दोस्तो मेरी इन्सेस्ट सेक्स स्टोरी पढ़ने के बाद अपना फीडबैक देना मत भूलिएगा. आपका रिस्पॉन्स मुझे आगे भी स्टोरी लिखने में मदद करेगा. और हां मुझे लड़कियां और आंटियां मेल करना मत भूलना.

naveensexboy143@gmail.com



Other sites in IPE

Indian Porn Videos



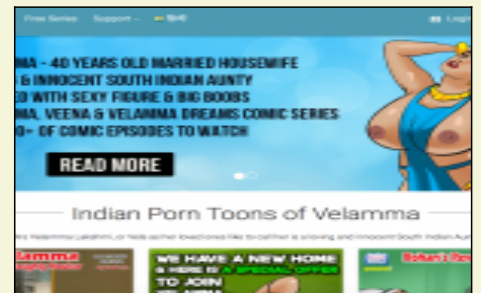
URL: www.indianpornvideos.com **Average traffic per day:** 600 000 GA sessions **Site language:** English **Site type:** Video **Target country:** India Indian porn videos is India's biggest porn video site.

Antarvasna Hindi Stories



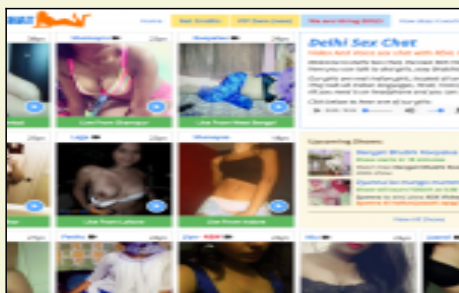
URL: www.antarvasnahindistories.com **Average traffic per day:** New site **Site language:** Hindi **Site type:** Story **Target country:** India Antarvasna Hindi Sex stories gives you daily updated sex stories.

Velamma



URL: www.velamma.com **Site language:** English, Hindi **Site type:** Comic / pay site **Target country:** India Vela as her loved ones like to call her is a loving and innocent South Indian Aunty. However like most of the woman in her family, she was blessed with an extremely sexy figure with boobs like they came from heaven!

Delhi Sex Chat



URL: www.delhisexchat.com **Site language:** English **Site type:** Cams **Target country:** India Are you in a sexual mood to have a chat with hot chicks? Then, these hot new babes from DelhiSexChat will definitely arouse your mood.

Aflam Neek



URL: www.aflamneek.com **Average traffic per day:** 450 000 GA sessions **Site language:** Arabic **Site type:** Video **Target country:** Arab countries Porn videos from various "Arab" categories (i.e Hijab, Arab wife, Iraqi sex etc.). The site is intended for Arabic speakers looking for Arabic content.

FSI Blog



URL: www.freesexyindians.com **Average traffic per day:** 60 000 GA sessions **Site language:** English **Site type:** Mixed **Target country:** India Serving since early 2000's we are one of India's oldest and favorite porn site to browse tons of XXX Indian sex videos, photos and stories.